Regarding implementation of Old Pension Scheme

श्री धर्मेन्द्र यादव **(**आज़मगढ़**) :** सभापति जी, मैं आज आपके माध्यम से देश की संसद का ध्यान और देश की सरकार का ध्यान अपने एक करोड़ उन कर्मचारियों की ओर दिलाना चाहता हूँ, जो पूरे देश की व्यवस्था को चला रहे हैं ।

सभापति जी, बहुत अफसोस की बात है कि वर्ष 2004 से एक नेशनल पेंशन स्कीम लागू हुई । उस नेशनल पेंशन स्कीम का परिणाम यह रहा कि जब कर्मचारी रिटायर होते थे तो उनके परिवार की सुरक्षा के लिए 800 रुपये, 1200 रुपये, 1800 रुपये और 4,000 रुपये की पेंशन थी ।

सभापति जी, उसके बाद पिछले 20 सालों से कर्मचारी लगातार आंदोलनरत हैं । वे आज भी आंदोलनरत हैं । उसके बाद एक नई स्कीम, यूनिफाइड पेंशन स्कीम लाई गई, जो 1 अप्रैल से लागू होनी है ।

सभापति जी, यह बड़े आश्चर्य की बात है कि जिन कर्मचारियों के लिए पेंशन स्कीम लाई जा रही है, वे कर्मचारी आंदोलनरत हैं । वे कर्मचारी नहीं चाहते हैं कि इस तरह की पेंशन स्कीम आए, क्योंकि इस पेंशन स्कीम के माध्यम से कर्मचारियों के पूरे जीवन की कमाई और रिटायरमेंट के बाद उनके परिवारों का भविष्य स्टॉक मार्केट में जा रहा है । स्टॉक मार्केट की क्या स्थिति है, यह पूरा देश देख रहा है ।

सभापति जी, सभी कर्मचारी चाहते हैं कि ओपीएस, पुरानी पेंशन स्कीम लागू हो । पुरानी पेंशन स्कीम ही मात्र एक ऐसा रास्ता है, जो कर्मचारियों के परिवारों की सुरक्षा की गारंटी है । मैं समझता हूं कि कोई भी सरकार कर्मचारियों के व्यापक समर्थन और सहयोग के बिना नहीं चल सकती है । कर्मचारी जनता और सरकार के बीच का पुल है । इसलिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय अखिलेश यादव जी ने अपने लगातार चुनावी घोषणा पत्र में कहा है कि जब समाजवादियों को मौका मिलेगा, चाहे प्रांत में मौका मिले, या दिल्ली की सरकार में मौका मिले, हम पुरानी पेंशन स्कीम लागू करेंगे ।?(व्यवधान)

सभापति महोदय, मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग है कि कर्मचारियों का शोषण बंद किया जाए । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आपका विषय आ गया है । आपने बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाया है ।

?(व्यवधान)